संवाद लेखन

दो या दो से अधिक लोगों के बीच होने वालें वार्तालाप को संवाद कहते है , और ऐसे वार्तालाप को जब लिखा जाता है तब वह संवाद लेखन कहलाता है । यह काल्पनिक भी हो सकता है और किसी वार्ता को जैसा है ठीक वैसा लिखकर भी हो सकता है ।

संवाद लिखते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए :

1. संवाद सरल भाषा शैली में लिखे जाने चाहिए ।
2. संवाद बोलने वाले का नाम संवादों के आगे लिखा होना चाहिए ।
3. संवाद एक-दूसरे से जुड़े होने चाहिए ।
4. संवाद न अधिक लंबे होने चाहिए और न अधिक छोटे ।
5. संवाद पात्रों की भाषा शैली पर आधारित होने चाहिए । जैसे - डॉक्टर , बच्चें और सब्जीवाले की भाषा में अंतर होता है ।
6. यदि संवादों के बीच कोई चित्र बदलता है या किसी नए व्यक्ति का आगमन होता है तो उसका वर्णन कोष्ठक में करना चाहिए ।
7. संवाद बोलते समय जो भाव वक्ता के चेहरे पर है उन्हें भी कोष्ठक में लिखना चाहिए ।
8. यदि संवाद बहुत लंबे चलते है और बीच में जगह बदलती है तो उसे दृश्य एक , दृश्य दो करके बाँटना चाहिए ।
9. संवाद लेखन के अंत में वार्ता पूरी हो जानी चाहिए ।